# फूलगोभी में कार्यिकी विकृतियाँ/व्याधियाँ

सब्जी उत्पादन में फूल गोभी का बहुत योगदान है। बड़ी संख्या में किसान इसकी खेती करते हैं। कार्यिकी विकृतियों के कारण कभी–कभी किसानों को बहुत ज्यादा नुकसान हो जाता है। किसानों को इसकी पहचान न होने की वजह से वे इसका निदान समय से नहीं कर पाते हैं और उन्हें आर्थिक रूप से हानि उठानी पड़ती है।

**कार्यिकी व्याधियां मुख्यतया निम्नलिखित कारणों से होती हैं।**

- पोषक तत्वों की असंतुलित उपलब्धता।
- तापमान में त्वरित उतार चढ़ाव।
- मृदा अवस्था।
- नमी की उपलब्धता।
- ये व्याधियाँ वंशानुगत रूप से अपने अगली पीढ़ी में होती रहती हैं अतः यदि आपने व्याधिग्रस्त पौधे का बीज प्रयोग किया है तो ये व्याधियां अगली फसल में भी आयेंगी।

## फूलगोभी की मुख्य कार्यिकी व्याधियों की पहचान एवं उनका निवारण

### बटनिंग

फूल गोभी का शीर्ष (खाने वाला भाग) का छोटा होना तथा पौधों में कम एवं छोटी पत्तियों का होना।

**कारण**

- अगेती प्रजातियों का देर से रोपाई करना।
- पौधों की ज्यादा सघन रोपाई।
- नमी की कमी/अधिकता होना।
- नाइट्रोजन की कमी।
- गर्म सूखा मौसम होना।
- मृदा में ज्यादा नमक का होना।

मृदा के ऊपरी सतह में पोषक तत्वों की कमी।

**निवारण**

- प्रजातियों को समय से लगाएं।
- पौधों को उचित दूरी पर लगाएं।
- उचित मात्रा में पोषक तत्वों का प्रयोग करें।
- 0.2 प्रतिशत यूरिया का छिड़काव खड़ी फसल में करें।
- शुद्ध बीज का प्रयोग करें।
- मृदा में उचित नमी का स्तर बनायें रखें।

### फूलगोभी के शीर्ष में असमान वृद्धि (राइसीनेस)

**पहचान**

शीर्ष (खाने वाला भाग) पर पुष्प कालिकाएं बढ़ जाती हैं जिससे शीर्ष की असमान वृद्धि होती है और इसका बाजार मूल्य कम हो जाता है।

**कारण**

- मौसम का गर्म होना।
- पिछेती किस्मों को पहले लगाना।
- तापमान का ज्यादा होना।
- नाइट्रोजन की अधिक मात्रा का प्रयोग करना।
- मौसम में ज्यादा आर्द्रता होना।

**निवारण**

- शुद्ध बीजों का प्रयोग करें।
- प्रजातियों को उचित समय पर लगायें।
- संस्तुति प्रजातियों का प्रयोग करें।


Downloaded from www.uphorticulture.gov.in
Internet Copy

*Udhyan Bhawan, 2-Sapru Marg, Lucknow-226001*
**Telephone -** 0522-4044414, 2623277
**Email -** dirhorti@rediffmall.com
http://uphorticulture.gov.in


**फूलगोभी के शीर्ष का मखमलीपन (फज्जीनेस)**

**पहचान**

- शीर्ष (खाने वाला भाग) पर पुष्प कलिका का बढ़ना और छूने पर मखमल जैसी मुलायम आभास का होना।

**कारण**

खराब बीज का प्रयोग।

- तापमान का समान न रहना।
- शीर्ष का अधिक परिपक्व हो जाना।
- प्रजातियों को उचित समय पर न लगाना।

**निवारण**

- शुद्ध बीज का चुनाव करें।
- पौध उचित मौसम और समय पर लगायें।
- पूर्ण विकसित खाने योग्य शीर्ष की तुड़ाई कर लें।

**फूल में पत्तियों का निकलना (लीफीनेस)**

**पहचान**

शीर्ष के बीच–बीच में छोटी–छोटी पत्तियां निकल जाती हैं।

**कारण**

- फूल बनने के बाद अधिक तापमान हो जाने पर यह व्याधि उत्पन्न होती है।

**निवारण**

- पछेती फसल लेने के लिए अधिक तापमान सहन करने वाली प्रजातियों को लगायें।

**अन्धापन (ब्लाइण्डनेस)**

**पहचान**

पौधे की बढ़वार बिन्दु शुरू में ही समाप्त हो जाती है। जिसकी वजह से शीर्ष का निर्माण नहीं हो

**कारण**

- कम तापमान होने के कारण।
- पाला पड़ने के कारण।
- कीड़ों के द्वारा शीर्ष कलिका भाग को काटना या खा जाना।
- श्रमिकों द्वारा पौध उखाड़ने, लगाने या लगाने के बाद निकाई–गुड़ाई करते समय शीर्ष क नुकसान पहुँचना।

**निवारण**

- पाले से बचाने के लिए फसल की सिंचाई करें।
- कीड़ों के बचाव के लिए कीट नाशी का प्रयोग करें।
- फसल की देखभाल (सस्य क्रियायें) ठीक तरीके से करें जिससे शीर्ष को नुकसान न पहुँचे



Downloaded from www.uphorticulture.gov.in
Internet Copy